

एफएंडओ नियम में बदलाव से निफ्टी का दिखेगा नया रूप

जियो फाइनैशियल, जोमैटो व ट्रेंट लेगी एलटीआईमाइंडट्री, डिविज लैब व अयशर मोटर्स की जगह

समी मोडक मुंबई, 28 जून

निफ्टी-50 इंडेक्स नए और सुधरे हुए रूप में नजर आने वाला है। वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) के लिए शेयरों के चयन के संशोधित मानक नई सूचीबद्ध कंपनियों को बेंचमार्क इंडेक्स में शामिल होने की राह बना रहे हैं। इस इंडेक्स को पैसिव फंड ट्रैक करते हैं जिनकी संयुक्त प्रबंधनाधीन परिंपत्तियां 3.5 लाख करोड़ रुपये (44 अरब डॉलर) हैं।

छह साल में पहली बार बाजार नियामक सेबी ने डेरिवेटिव सेगमेंट के लिए शेयरों के चयन की प्रक्रिया में बदलाव किया है। इस सेगमेंट में रोजाना 400 लाख करोड़ रुपये का कारोबार होता है। इस कदम को एफएंडओ सेगमेंट में काट-छांट के रूप में देखा जा रहा है, जहां अभी 182 कंपनियों के एकल शेयरों के सौदे जारी होते हैं। विश्लेषकों के मुताबिक एफएंडओ सेगमेंट में कारोबार के लिए उपलब्ध कंपनियों की संख्या 200 के पार जाने की उम्मीद है और कुछ नई कंपनियां पुरानी की जगह ले सकती हैं जो कम लिक्विड हैं।



किसी कंपनी के लिए व्यापक तौर पर ट्रैक किए जाने वाले निफ्टी-50 इंडेक्स का हिस्सा बनने के लिए एफएंडओ सेगमेंट का हिस्सा बनना आवश्यक है। चूंकि एक्सचेंजों ने जनवरी 2022 के बाद से किसी भी नई कंपनी को डेरिवेटिव सेगमेंट में शामिल नहीं किया है। पिछले कुछ वर्षों में सूचीबद्ध हुईं कुछ बड़ी कंपनियों को निफ्टी इंडेक्स में शामिल होने का मौका नहीं मिला, हालांकि वे एक्सचेंजों की तरफ से तय अन्य मातात्मक मानकों को पूरा करती थीं। पर इसमें जल्द बदलाव हो सकते हैं।

लंबे अंतराल के बाद परिवर्तन

■ इसे एफएंडओ सेगमेंट में काट-छांट के रूप में देखा जा रहा है, जहां अभी 182 कंपनियों के एकल शेयरों के सौदे जारी होते हैं

■ नए नियम लागू होने के बाद एफएंडओ सेगमेंट में कारोबार के लिए उपलब्ध कंपनियों की संख्या 200 के पार जाने की उम्मीद है

नुवामा ऑल्टरनेटिव ऐंड क्वांटिटेटिव रिसर्च के प्रमुख अभिलाष पगारिया ने कहा कि सेबी की घोषणा से यह भरोसा मिलता है कि नए एफएंडओ सदस्यों को जोड़ने की रफ्तार तेज रहेगी। अगर हम मान लें कि जियो फाइनैशियल और जोमैटो अगस्त के तीसरे हफ्ते से पहले एफएंडओ सेगमेंट का हिस्सा बनती हैं तो इसकी काफी संभावना है कि उन्हें सितंबर की समीक्षा में निफ्टी-50 में प्रवेश मिल जाए।

सेबी के परिपत्र जारी करने के बाद एफएंडओ के लिए चयन के नए मानक

प्रभावी हो जाएंगे। नियामकीय सूत्रों ने कहा कि नए शेयरों को शामिल करने का काम परिपत्र जारी होने के तुरंत बाद हो सकता है। हालांकि मौजूदा शेयरों की निकासी के काम में तीन से छह महीने का समय लग सकता है।

विश्लेषकों का कहना है कि अगर ये बदलाव अगस्त में होने वाली निफ्टी की पुनर्संतुलन की कवायद से पहले होते हैं तो जियो फाइनैशियल, जोमैटो और ट्रेंट, एलटीआईमाइंडट्री, डिविज लैब और आयशर मोटर्स की जगह ले सकती हैं।

साथ ही इसके परिणामस्वरूप जियो फाइनैशियल, जोमैटो और ट्रेंट में 3,800-3,800 करोड़ रुपये का पैसिव निवेश आएगा। दूसरी ओर, एलटीआईमाइंडट्री, डिविज लैब और आयशर मोटर्स से 1,600-1,600 करोड़ रुपये से ज्यादा की निकासी हो सकती है।

पगारिया ने कहा कि अगर अगस्त के तीसरे हफ्ते से पहले एफएंडओ शेयरों की सूची में कोई बदलाव नहीं होता तो ट्रेंट और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स को निफ्टी में शामिल किया जा सकता है और ये एलटीआईमाइंडट्री, डिविज लैब की जगह ले सकती हैं।

एफएंडओ उत्पादों पर सख्ती की तैयारी

सुराब् तिवारी मुंबई, 28 जून

भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) डेरिवेटिव सेगमेंट में खुदरा कारोबारियों को लेकर बढ़ रही चिंताओं के बीच तेजी से बढ़ रहे वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) सेगमेंट से शेयरों और सूचकांकों को प्रतिबंधित करने की तैयारी कर रहा है। बाजार नियामक एफएंडओ ट्रेडिंग से संबंधित जोखिम का आकलन करने के लिए गठित विशेषज्ञ समिति द्वारा दिए गए सुझावों और प्रस्तावों पर विचार करेगा। सेबी अध्यक्ष माधवी पुरी बुच ने गुरुवार को कहा कि नियामक को एक्सपायरी के दिन आखिरी घंटे में सौदों में तेजी के रझान का पता चला है। जब बुच से यह पूछा गया कि क्या नियामक किसी भी डेरिवेटिव उत्पाद को हटाने के लिए तैयार होगा तो उन्होंने कहा कि 'जो भी जरूरी होगा, किया जाएगा।'

बुच ने कहा, 'हमारे पास कोई पूर्वधारणा नहीं है। यदि यही आवश्यक है (ऑप्शन उत्पाद को हटाना) और यह समिति का दृष्टिकोण है तथा हम इसके औचित्य और तर्क से सहमत भी हैं, तो ऐसा किया जाना चाहिए।' जब उनसे पूछा गया कि क्या यह स्टॉक एक्सचेंजों और ब्रोकरों के व्यावसायिक हित के खिलाफ हो सकता है, तो

उन्होंने कहा, 'किसी भी विनियमित इकाई के लिए नियामकीय जोखिम हमेशा बना रहता है। यह एक वास्तविकता है और कारोबार का हिस्सा है। निवेशक भी इसे समझते हैं। यह सिर्फ भारत के लिए ही नहीं, बल्कि सभी क्षेत्रों के लिए सच है।'

कुछ उद्योग प्रतिभागियों ने भी समान विचार पेश किए हैं। जीरोधा के संस्थापक एवं मुख्य कार्याधिकारी

नितिन कामत ने एक्स पर लिखा है, 'नियामकीय जोखिम किसी भी विनियमित व्यवसाय के लिए सबसे बड़ा जोखिम है। हम ऑप्शन ट्रेडिंग में चरम की अवधि के मध्य में हैं। हम इस कारोबार में वृद्धि के बड़े लाभार्थी रहे हैं, लेकिन हमेशा से जानते रहे हैं कि विनियमनों के कारण इसका आकार काफी

कम हो सकता है, जिससे राजस्व प्रभावित हो सकता है और यही वजह है कि हमने कोई आगामी अनुमान कभी व्यक्त नहीं किया।' उन्होंने कहा, 'भविष्य में ब्रोकिंग उद्योग के लिए समय चुनौतीपूर्ण होगा, क्योंकि लगभग हर किसी का बिजनेस मॉडल ऑप्शन से कमाई पर केंद्रित बना हुआ है।' सेबी द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, इंडेक्स ऑप्शन (प्रीमियम) में कारोबार 2018 में 4.6 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2024 में 140 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जबकि इस अवधि के दौरान खुदरा निवेशकों की हिस्सेदारी 2 प्रतिशत से बढ़कर 41 प्रतिशत हो गई है।

दिसंबर के बाद बाजारों की सबसे अच्छी मासिक बढ़त

मई में मामूली नुकसान झेलने के बाद बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी ने छह महीने में सबसे अच्छी मासिक बढ़ोतरी दर्ज की। जून में सेंसेक्स 6.6 फीसदी चढ़ा जबकि निफ्टी में 6.9 फीसदी का इजाफा हुआ। यह दिसंबर 2023 के बाद की सबसे अच्छी मासिक बढ़ोतरी है। बढ़ोतरी व्यापक रही और निफ्टी मिडकैप 100 में 7.8 फीसदी जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 9.7 फीसदी का इजाफा हुआ।

निफ्टी मिडकैप इंडेक्स के लिए यह महीना नवंबर 2023 के बाद सबसे अच्छा रहा, वहीं निफ्टी स्मॉलकैप 100 के लिए अप्रैल के बाद सबसे अच्छा महीना। मजबूत आर्थिक आंकड़ों और नई सरकार के कामकाज को लेकर उम्मीदों के चलते यह बढ़त दर्ज हुई।

भारत का बाजार पूंजीकरण 27 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 439 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। हालांकि चुनाव नतीजों के तुरंत बाद बाजारों में गिरावट आई, लेकिन सत्ताधारी राजग के सरकार गठन करने और अहम कैबिनेट मंत्रालय अपने पास रखने के बाद इसमें तेजी से सुधार हुआ। इससे सरकार में नीतिगत निरंतरता का संकेत मिला। मजबूत आर्थिक माहौल से भी मनोबल को मजबूती मिली।

पिछले दो महीने में शुद्ध बिकवाल रहने के वाले विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक शुद्ध खरीदार बन गए और उन्होंने 24,387 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। देसी संस्थागत निवेशक 21,975 करोड़ रुपये के शुद्ध खरीदार रहे। देसी संस्थागत निवेशक जुलाई 2023 से ही खरीदार रहे हैं और इस अवधि में उन्होंने 3.3 लाख करोड़ रुपये की खरीदारी की, जिसमें से 2.3 लाख करोड़ रुपये की खरीद इस कैलेंडर वर्ष में हुई।

आईटी, रियल्टी और फाइनैशियल सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले सेक्टर रहे मगर सरकारी बैंक पिछड़ गए। श्रीराम फाइनंस, अल्ट्राटेक सीमेंट और विप्रो सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले निफ्टी के शेयर रहे। अदाणी एंटरप्राइजेज, कोल इंडिया और लार्सन एंड टुब्रो सबसे ज्यादा गिरे।

शेयर	बदलाव(%)	शेयर	बदलाव (%)
श्रीराम फाइनैस	23.7	अदाणी एंटरप्राइजेज	-6.9
अल्ट्राटेक सीमेंट	17.7	कोल इंडिया	-3.7
विप्रो	17.5	एलएंडटी	-3.3

मिड, स्मॉलकैप का पहली छमाही में शानदार प्रदर्शन

पृष्ठ-1 का शेष

जियोजित फाइनैशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार के अनुसार मूल्यांकन की चिंता के बाद भी निफ्ट भविष्य में बाजार में तेजी रह सकती है। उन्हें लगता है कि अब तेजी को बैकिंग एवं दूसरंचार जैसे क्षेत्रों के लार्जकैप शेयरों से गति मिलेगी। उन्होंने कहा, 'हाल में रिलायंस इंडस्ट्रीज की भी तेजी दिखी है। अमेरिका में बॉन्ड यील्ड बढ़ने से कुछ बड़े विदेशी संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) बिकवाली कर सकते हैं, जिससे तेजी पर कुछ समय के लिए ब्रेक लग सकता है। इसलिए जब तक बाजार को देसी नकदी प्रवाह का सहारा मिलता होगा तब तक किसी बड़ी गिरावट की गुंजाइश कम होगी।'

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार देसी संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने चालू कैलेंडर वर्ष की पहली छमाही के दौरान भारतीय शेयर बाजार में 2.3 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया। डीआईआई का निवेश कैलेंडर वर्ष 2023 की पहली छमाही के मुकाबले करीब तीन गुना रहा। पिछले साल पहली छमाही में डीआईआई ने शेयर बाजार में 86,568 करोड़ रुपये का निवेश किया। मगर इस बार की छमाही में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) 4,557 करोड़ रुपये की बिकवाली के साथ शुद्ध बिकवाल रहे।

एमक्योर फार्मा का आईपीओ 3 जुलाई को खुलेगा, 1,952 करोड़ रुपये जुटाएगी

सोहिनी दास मुंबई, 28 जून

एमक्योर फार्मास्युटिकल्स ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निगम का कीमत दायरा 960 से 1,008 रुपये प्रति शेयर तय किया है और यह आईपीओ 3 जुलाई को खुलेगा। पुणे की कंपनी 79 लाख नए शेयर जारी कर 800 करोड़ रुपये जुटाएगी जबकि 1.14 करोड़ शेयरों के ओपफएस से 1,152 करोड़ रुपये जुटाए जाएंगे। कुल मिलाकर यह आईपीओ 1,952 करोड़ रुपये का है।

यह आईपीओ 5 जुलाई तक खुला रहेगा और भारती हेक्साकॉम (4,275 करोड़ रुपये), आधार हाउसिंग (3,000 करोड़ रुपये) और गो डिजिट (2,614 करोड़ रुपये) के बाद 2024 का चौथा सबसे बड़ा आईपीओ होगा।

एमक्योर आईपीओ से मिलने वाली रकम का इस्तेमाल कर्ज चुकाने और कंपनी के सामान्य कामकाज में करेगी। 30 सितंबर, 2023 को एमक्योर की कुल उधारी एकीकृत आधार पर

2,012.8 करोड़ रुपये थी। आईपीओ से मिलने वाली रकम का इस्तेमाल पूरा कर्ज चुकाने या मूलधन का एक हिस्सा व उस पर अर्जित ब्याज चुकाने में किया जाएगा।

एमक्योर ने दिसंबर में विवरणिका का मसौदा (डीआरएचपी) जमा कराया था और बाजार नियामक सेबी ने इस महीने मंजूरी दी है।

एमक्योर ने पहली बार अगस्त 2021 में डीआरएचपी जमा कराया था और उसमें 1,100 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी करने और 1.8 करोड़ शेयरों के ओपफएस की बात थी। बाजार सूत्रों के मुताबिक, उस समय रकम जुटाने का लक्ष्य अनुमानित तौर पर 4,500-5,000 करोड़ रुपये का था। कंपनी को दिसंबर 2021 में सेबी की मंजूरी मिली, लेकिन उसने आईपीओ पेश नहीं किया।

कंपनी के मुख्य कार्याधिकारी व प्रबंध निदेशक सतीश मेहता ने बिजनेस स्टैंडर्ड से कहा, उस समय हमने आईपीओ की योजना बनाई थी, लेकिन यूक्रेन-रूस का घटनाक्रम हो गया और लगा कि हम सही वक्त का इंतजार करेंगे।

आगाज पर 30 फीसदी चढ़ा स्टैनली लाइफस्टाइल

लक्जरी फर्नीचर ब्रांड स्टैनली लाइफस्टाइल का शेयर शुक्रवार को एक्सचेंजों पर सूचीबद्धता के दौरान 38 फीसदी तक उछल गया। 509.4 रुपये का उच्चस्तर छूने के बाद यह शेयर अंत में 479 रुपये पर बंद हुआ जो इश्यू प्राइस 369 रुपये के मुकाबले 30

फीसदी ज्यादा है। एनएसई और बीएसई पर कंपनी के 1,300 करोड़ रुपये से ज्यादा के शेयरों का लेनदेन हुआ। सूचीबद्धता पर उम्दा प्रदर्शन से पहले कंपनी के 537 करोड़ रुपये के आईपीओ की मजबूत मांग देखने को मिली थी। मंगलवार को

बंद हुए आईपीओ को 97 गुना आवेदन मिले थे। बंद भाव पर कंपनी का मूल्यांकन करीब 2,730 करोड़ रु. बैठता है। दिसंबर 2023 में समाप्त नौ महीने की अवधि में कंपनी का शुद्ध लाभ 18.7 करोड़ रुपये जबकि राजस्व 313 करोड़ रुपये रहा था। बीएस

THIS IS A PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR INFORMATION PURPOSES ONLY AND IS NOT A PROSPECTUS ANNOUNCEMENT AND DOES NOT CONSTITUTE AN INVITATION OR OFFER TO ACQUIRE, PURCHASE OR SUBSCRIBE TO SECURITIES. NOT FOR RELEASE, PUBLICATION OR DISTRIBUTION, DIRECTLY OR INDIRECTLY OUTSIDE INDIA

INITIAL PUBLIC OFFERING OF EQUITY SHARES ON THE MAIN BOARD OF THE STOCK EXCHANGES IN COMPLIANCE WITH CHAPTER II OF THE SECURITIES AND EXCHANGE BAORD OF INDIA (ISSUE OF CAPITAL DISCLOSURES REQUIREMENTS) REGULATIONS, 2018, AS AMENDED.

(Please scan this QR Code to view the DRHP)

BMW VENTURES LIMITED

Our Company was originally incorporated as "BMW Ventures Limited" at Patna, Bihar on October 07, 1994, as a Public Limited Company under the provisions of the Companies Act, 1956 with the Registrar of Companies, Bihar, Patna, bearing Corporate Identification Number U25111BR1994PLC006131 and Certificate of Commencement of Business was issued on October 19, 1994 at Patna.

Registered and Corporate Office: 1st Floor, Mona Cinema Complex, East Gandhi Maidan, Patna-800004;
Tel. No.: +91 81022 23771/74; **E-mail:** cs@bmwventures.com; **Website:** www.bmwventures.com;

Contact Person: Ruchika Maheshwari Kejriwal, Company Secretary and Compliance Officer **Corporate Identity Number:** U25111BR1994PLC006131

PROMOTERS OF THE COMPANY: MR. BIJAY KUMAR KISHOREPURIA, MRS. SABITA DEVI KISHOREPURIA, MR. NITIN KISHOREPURIA AND MRS. RACHNA KISHOREPURIA

INITIAL PUBLIC OFFERING OF UP TO 2,34,18,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹10 EACH ("EQUITY SHARES") OF OUR COMPANY FOR CASH AT A PRICE OF ₹[+] PER EQUITY SHARE (INCLUDING A SHARE PREMIUM OF ₹[+] PER EQUITY SHARE) ("ISSUE PRICE") AGGREGATING UP TO ₹[+] LAKHS (THE "ISSUE"). THE ISSUE WOULD CONSTITUTE 27.00% OF THE POST-ISSUE PAID-UP EQUITY SHARE CAPITAL OF OUR COMPANY.

In case of any revision to the Price Band, the Bid/Offer Period will be extended by at least three additional Working Days after such revision in the Price Band, subject to the Bid/Offer Period not exceeding 10 Working Days. In cases of force majeure, banking strike or similar circumstances, our Company and the promoter Selling Shareholder may, in consultation with the BRLM, for reasons to be recorded in writing, extend the Bid / Offer Period for a minimum of three Working Days, subject to the Bid / Offer Period not exceeding 10 Working Days. Any revision in the Price Band and the revised Bid/Offer Period, if applicable, will be widely disseminated by notification to the Stock Exchanges, by issuing a public notice, and also by indicating the change on the respective websites of the BRLM and at the terminals of the Syndicate Member(s) and by intimation to the Designated Intermediaries and the Sponsor Banks, as applicable.

This is an Offer in terms of Rule 19(2)(b) of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957, as amended ("SCRR"), read with Regulation 31 of the SEBI ICDR Regulations. The Offer is being made through the Book Building Process in terms of Regulation 6(1) of the SEBI ICDR Regulations, wherein not more than 50% of the Offer shall be available for allocation on a proportionate basis to Qualified Institutional Buyers ("QIBs and such portion, the "QIB Portion"), provided that our Company in consultation with the BRLM, may allocate up to 60% of the QIB Portion to Anchor Investors on a discretionary basis ("Anchor Investor Portion"), out of which one-third shall be reserved for domestic Mutual Funds only, subject to valid Bids being received from domestic Mutual Funds at or above the price at which allocation is made to Anchor Investors ("Anchor Investor Allocation Price"), in accordance with the SEBI ICDR Regulations. In the event of under-subscription, or non-allocation in the Anchor Investor Portion, the balance Equity Shares shall be added to the QIB Portion (excluding the Anchor Investor Portion) ("Net QIB Portion"). Further, 5% of the Net QIB Portion shall be available for allocation on a proportionate basis to Mutual Funds only, and the remainder of the Net QIB Portion shall be available for allocation on a proportionate basis to all QIB Bidders, including Mutual Funds, subject to valid Bids being received from them at or above the Offer Price. However, if the aggregate demand from Mutual Funds is less than 5% of the Net QIB Portion, the balance Equity Shares available for allocation in the Mutual Fund Portion will be added to the remaining Net QIB Portion for proportionate allocation to QIBs. Further, not less than 15% of the Offer shall be available for allocation to Non-Institutional Bidders of which one-third portion shall be available for allocation to Non-Institutional Bidders with a Bid size of more than ₹2 lakhs and up to ₹10 lakhs and two-third portion shall be available for allocation to Non-Institutional Bidders with a Bid size of more than ₹10 lakhs, provided that unsubscribed portion in either of such sub-categories may be allocated to applicants in the other sub-category of Non-Institutional Bidders in accordance with the SEBI ICDR Regulations and not less than 35% of the Offer shall be available for allocation to Retail Individual Bidders in accordance with the SEBI ICDR Regulations, subject to valid Bids being received from them at or above the Offer Price. All potential Bidders (except Anchor Investors) are mandatorily required to utilize the Application Supported by Blocked Amount ("ASBA") process by providing details of their respective ASBA accounts and UPI ID in case of UPI Bidders using the UPI Mechanism, as applicable, pursuant to which their corresponding Bid Amount will be blocked by the Self Certified Syndicate Banks ("SCSBs") or by the Sponsor Banks under the UPI Mechanism, as the case may be, to the extent of the respective Bid Amounts. Anchor Investors are not permitted to participate in the Issue through the ASBA Process. For further details, see "Issue Procedure" on page 309.

This public announcement is being made in compliance with the provisions of regulation 26(2) of the SEBI ICDR Regulations to inform the public that our Company is proposing, subject to applicable statutory and regulatory requirements, receipt of requisite approvals, market conditions and other considerations, to undertake an initial public offering of its Equity Shares and has filed the DRHP dated June 28, 2024 with the Securities and Exchange Board of India ("SEBI") on June 28, 2024.

Pursuant to Regulation 26(1) of SEBI ICDR Regulations, the DRHP filed with SEBI shall be made public for comments, if any, for a period of at least 21 (twenty one) days from the date of such filing, by hosting it on the websites of SEBI at www.sebi.gov.in, the BRLM at www.sarthi.in, our Company at www.bmwventures.com, and the Stock Exchanges where the Equity Shares are proposed to be listed, i.e. BSE at www.bseindia.com and NSE at www.nseindia.com. Our Company hereby invites the public to give their comments on the DRHP filed with SEBI in respect of disclosures made in the DRHP. The public is requested to send a copy of the comments sent to SEBI, to the Company Secretary and Compliance Officer of our Company and the BRLM at their respective addresses mentioned herein. All comments must be received by our Company or the BRLM in relation to the Issue on or before 5 p.m. on the 21st day from the aforementioned date of filing of the DRHP with SEBI.

Investments in equity and equity-related securities involve a degree of risk and investors should not invest any funds in the Issue unless they can afford to take the risk of losing their entire investment. Investors are advised to read the risk factors carefully before taking an investment decision in the Issue. For taking an investment decision, investors must rely on their own examination of our Company and the Issue, including the risks involved. The Equity Shares in the Issue have not been recommended or approved by the Securities and Exchange Board of India ("SEBI"), nor does SEBI guarantee the accuracy or adequacy of the contents of this Draft Red Herring Prospectus. Specific attention of the investors is invited to "Risk Factors" on page 31.

Any decision to invest in the equity shares described in the DRHP may be made after a Red Herring Prospectus ("RHP") has been registered with the RoC and must be made solely on the basis of such RHP as there may be material changes in the RHP from the DRHP. The Equity shares, when offered through the RHP, are proposed to be listed on Stock Exchanges.

The liability of the members of our Company is limited by shares. For details of the main objects of our Company as contained in the Memorandum of Association, please see "History and Certain Corporate Matters" beginning on page 190 of the DRHP. For details of the share capital and capital structure of our Company and the names of the signatories of the Memorandum of Association and the number of shares of our Company subscribed by them, please see "Capital Structure" beginning on page 94 of the DRHP.

BOOK RUNNING LEAD MANAGER	REGISTRAR TO THE ISSUE
<p>Sarthi Capital Advisors Private Limited CIN: U65190DL2012PTC238100 401, 4th Floor, Manek Plaza, 167, Vidy nagari Marg, Kalina, Santacruz (E), Mumbai - 400 098 Tel No.: +91 22 2652 8671 / 72 Email Id: compliance@sarthiwm.in Website: www.sarthi.in Contact Person: Taher Engineer SEBI Registration No.: INM000012011</p>	<p>Cameo Corporate Services Limited CIN: U67120TN1998PLC041613 Subramanian Building, 1, Club House Road, Chennai-600002 Tel No.: +91 44 4002 0700 E-Mail Id: bmw@cameoindia.com Investor Grievance E-Mail Id: investor@cameoindia.com Website: www.cameoindia.com Contact Person: K. Sreepriya SEBI Registration No.: INR000003753</p>

All capitalized terms used herein and not specifically defined shall have the same meaning as ascribed in the DRHP.

Place: Patna
Date: June 28, 2024
BMW Ventures Limited is proposing, subject to applicable statutory and regulatory requirements, receipt of requisite approvals, market conditions and other considerations, to undertake an initial public offering of its Equity Shares and has filed the DRHP dated June 28, 2024 with SEBI on June 28, 2024. The DRHP shall be available on the website of SEBI at www.sebi.gov.in, NSE at www.nseindia.com, BSE at www.bseindia.com and the website of the BRLM at www.sarthi.in and our Company at www.bmwventures.com. Any potential investor should note that the investment in equity shares involves a high degree of risk and for details relating to risk, please see to the section titled "Risk Factors" of the RHP, when filed. Potential investors should not rely on the DRHP filed with SEBI for making any investment decisions. Specific attention of the Investors is invited to "Risk Factors" beginning on page 31 of the DRHP.
The Equity Shares offered have not been and will not be registered under the U.S. Securities Act, 1933, as amended ("U.S. Securities Act") or any other applicable laws in the United States and, unless so registered, may not be offered or sold within the United States except pursuant to an exemption from, or in a transaction not subject to, the registration requirements of the U.S. Securities Act and applicable state securities laws. Accordingly, the Equity shares are being offered and sold outside the United States in offshore transactions as defined in and in reliance on regulation S under the U.S. Securities Act and the applicable laws of the jurisdictions where those offers and sales are made. The Equity Shares have not been and will not be registered, listed or otherwise qualified in any other jurisdiction outside India and may not be issued or sold, and Bids may not be made by persons in any such jurisdiction, except in compliance with the applicable laws of such jurisdiction.

Surgeest Comm.